सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 11 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 11 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हर एक चीज में खूबसूरती होती है लेकिन हर कोई उसे नहीं देख पाता।
-कन्फ्यूशियस

बल्लेबाजी संयोजन पर अभी भी संशय... 7 | आप को लेना होगा फिर सबका... 3 | श्रद्धालुओं की तबाही, असुविधा के... 2

# अपनों का ऑपरेशन लोटस! बीजेपी में इस्तीफों का दौर शुरू

» मणिपुर से शुरू हुआ घटनाक्रम यूपी में होगा खत्म
» हरियाणा में अनिल विज और राजस्थान में मीणा को नोटिस
» लंबे समय से उड़ रही है सीएम योगी के इस्तीफे की खबरें

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तो क्या ऑपरेशन लोटस की नजर अपनों पर है! लग कुछ ऐसा ही रहा है। मणिपुर के सीएम के इस्तीफे के बाद अब बारी हरियाणा और राजस्थान की है। हरियाणा में अनिल विज और राजस्थान में किरोणी लाल मीणा को अनुशासनहीनता का नोटिस दिया गया है।

बीजेपी में अनुशासनहीनता का मतलब इस्तीफा होता है। इन दोनों नेताओं को तीन दिनों के भीतर अपना जवाब देना है। विज ने सीएम सैनी की कार्यशैली पर सवाल उठाये थे तो मीणा का मामला फोन टैपिंग से जुड़ा बताया जा रहा है।

## राजस्थान में किरोड़ी पर रार

राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ अनुशासनहीनता का नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, कथित फोन टैपिंग प्रकरण से जुड़े मामले में किरोड़ीलाल मीणा को ये नोटिस जारी किया गया है। किरोड़ीलाल मीणा को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए उनसे तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

## विज की नाराजगी के बड़े कारण

अनिल विज ने कई बार कहा है कि कुछ स्थानीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें विधानसभा चुनाव में हराने की कोशिश की। इसके लिए लिखित में भी दिया गया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अम्बाला डीसी रहे पार्थ गुप्ता से विज नाराज थे। बाद में उनकी बदली यमुनानगर में की गई। सीएमओ के एक वरिष्ठ अधिकारी पर भी विज का नजला गिरा। अम्बाला सदर थाने के एक एचएसओ को सस्पेंड करने की सिफारिश विज ने की, लेकिन डीजीपी ने कार्रवाई नहीं की। कैथल व सिरसा में ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग के दौरान जिन अधिकारियों-कर्मचारियों को सस्पेंड करने की सिफारिश की, विभाग ने कार्रवाई नहीं की।

## ऑपरेशन हरियाणा

हरियाणा के सबसे सीनियर लीडर अम्बाला कैंट से सातवीं बार विधायक पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में शामिल और नायब मंत्रिमंडल में प्रोटोकॉल के हिसाब से भी सबसे वरिष्ठ मंत्री अनिल विज पर गाज गिरनी तय है। दिल्ली विधान सभा चुनाव के नतीजों के दो दिन बाद हरियाणा सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर अनिल विज को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशों के बाद प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने विज से तीन दिन में जवाब मांगा है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रति की गई बयानबाजी के मामले में विज को यह नोटिस दिया गया है। भाजपा नेतृत्व ने विज की बयानबाजी को इसलिए अधिक गंभीरता से लिया है, क्योंकि बयान उस समय आए जब पूरा केंद्रीय नेतृत्व और हरियाणा के अधिकांश नेता दिल्ली के चुनाव में व्यस्त थे।

# मरम्मत पर सवाल, बेघर होंगे केजरीवाल

» दिल्ली में भी वही हो रहा है जो कभी यूपी में हुआ था
» अखिलेश यादव के सरकारी आवास को भी आरोप लगाकर खाली कराया था बीजेपी ने

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जो कभी उत्तर प्रदेश की राजनीति में हुआ अब वह दिल्ली में होता दिखायी दे रहा है। जी हां हार के फौरन बाद एक और अटैक दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हुआ है। उनके सरकारी आवास को ठीक उसी तरह से खाली कराये जाने की कोशिशें शुरू हो गयी है जैसा कभी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ हुआ था।

दिल्ली विधानसभा का ताजा-ताजा चुनाव जीते बीजेपी एमएलए विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सरकारी आवास पर अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। विजेंद्र गुप्ता ने राज्यपाल से आग्रह किया कि संपत्ति को उसकी मूल स्थिति में बहाल किया जाए और आस-पास की सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण को बिना देरी के हटाया जाए। ध्यान रहे कि विधानसभा चुनाव के नतीजों को आये अभी 48 घंटे भी नहीं बीते है।

## आरोपों की बौछार

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर नये-नये अरोप लगाये जा रहे है। उनके सरकारी आवास को बीजेपी ने शीश महल का नाम दिया है और आरोप है कि बिना किसी संशोधन,आधिकारिक अनुमोदन या निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किए किए ही सरकार ने अवैध रूप से 45 और 47, राजपुर रोड पर आठ टाइप-वी फ्लैटों के साथ-साथ 8ए और 8बी, फ्लैग स्टाफ रोड पर सरकारी बंगलों को मुख्यमंत्री के आवासीय परिसर में शामिल कर लिया। बीजेपी ने सरकारी आवास में जोड़े गये इन मकानों को तत्काल हटाने की मांग की और 8ए और 8बी फ्लैग स्टाफ रोड को मुख्यमंत्री आवास परिसर से अलग करने की मांग की।

## यूपी के पूर्व सीएम को घेरा था

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी इसी तरह से घेरा गया था। सबसे पहले पीआईएल के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री के नाम एलाट मकानों को खाली कराया गया। इसमें अखिलेश यादव, मुलायम सिंह यादव, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ राजनाथ सिंह को मिले आवास खाली कराये गये। वहीं कल्याण सिंह और कुसम राय के आवासों को संस्था के नाम पर चेंज कर दिया गया जहां आज भी दोंनो नेताओं के परिजनों का कब्जा है।

## यूपी तक पहुंचेगी इस्तीफों की आग

राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो इस्तीफो का बवंडर यूपी तक पहुंचेगा। उत्तर प्रदेश में भी काफी लंबे समय से मंत्रीमंडल विस्तार के साथ संगठन में खटपट की खबरें शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच रही है। शीर्ष नेतृत्व समझा-बुझाकर काफी लंबे समय से काम चला रहा है। लेकिन अनिल विज और किरोणी लाल मीणा को जारी नोटिस इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि पानी सर से उपर बह रहा है। हाल ही में समपन्न यूपी लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार और कुंभ हादसे ने सरकारी कुप्रबंधन की पोल खोल दी है। ऐसे में यूपी राज्य से भी कई महत्वपूर्ण नेताओं के इस्तीफे इस बार तय माने जा रहे हैं।

## इसी तरह काम करती है बीजेपी

बीजेपी के वर्क कल्चर को समझे तो आसानी से समझ में आ जाएगा कि बीजेपी में इसी तरह से कार्य किया जाता है। कल्याण सिंह आदि का प्रकरण साफ है। पार्टी आलाकमान पहले व्यक्ति को ठीक होने का पूरा समय देता है। यदि राजनेता स्वंय को सुधार ले और मिल रही शिकायतों को ठीक कर लें तो सब ठीक वर्ना एक झटके में पर कतर दिये जाते हैं।

# श्रद्धालुओं की तबाही, असुविधा के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : अखिलेश

» बोले- मुख्यमंत्री पूरी तरह से नाकाम, जिम्मेदार नदारद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की तबाही, असुविधा के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। महाकुंभ आने जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उससे भाजपा सरकार बच नहीं सकती है। सरकार महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों और महाकुंभ आने जाने के दौरान हुई सभी दुर्घटनाओं में जान गवांने वाले श्रद्धालुओं की जानकारी करके प्रत्येक को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देना शुरू करें। महाकुंभ में सभी खोए हुए लोगों की सूची जारी कर उनके परिजनों को जानकारी दे।**

श्री यादव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के रास्ते में जाम में फंसे लाखों लोग अपने वाहनों में घंटों से कैद हैं। दैनंदिनी ज़रूरतों के लिए महिलाओं तक के लिए कोई स्थान नहीं है। जो लोग रास्तों में बेसुध हो रहे हैं, उनकी देखभाल का कोई इंतजाम नहीं है। श्रद्धालुओं के मोबाइल फ़ोन की बैटरी ख़त्म हो गयी है, जिससे उनका अपने लोगों से संपर्क टूट गया है। संपर्क और सूचना के अभाव में लोगों में बहुत बेचैनी है। श्री यादव ने कहा कि हालात पर क ाबू पाने के लिए कोई जिम्मेदार मंत्री या व्यक्ति नहीं दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री तो पूरी तरह से नाकाम साबित हो ही चुके हैं साथ ही प्रयागराज से संबंधित उपमुख्यमंत्री और कई जाने माने मंत्री नदारद हैं। जिन्हें जनता के बीच होना चाहिए था, वो घरों में बैठे हैं। जो सिपाही, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी या सफ़ाईकर्मी दिनरात निष्ठापूर्वक भूखे-प्यासे डटे हैं, उनके भोजन पानी की कोई व्यवस्था नहीं हो रही है। अधिकारी कमरों में बैठकर आदेश दे रहे हैं लेकिन ज़मीन पर नहीं उतर रहे हैं।श्री यादव ने कहा कि प्रयागराज में चतुर्दिक जाम की वजह से न तो खाने-पीने के लिए खाद्यान्न और सब्ज़ी मसाले उपलब्ध हो पा रहे हैं और न ही दवाई, पेट्रोल-डीज़ल। इससे प्रयागराज व महाकुंभ परिसर तथा प्रयागराज आने-जाने वाले मार्गों पर फँसे करोड़ों भूखे-प्यासे, थके-हारे श्रद्धालुओं की हालत हर घंटे बद से बदतर होती जा रही है।

### प्रयागराज के नगरवासियों को गंदगी, जाम और महंगाई के सिवा कुछ भी नहीं मिला

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रयागराज के नगरवासियों को गंदगी, जाम और महंगाई के सिवा कुछ भी नहीं मिला है। सुनने में आया है कि अब भाजपाई श्रद्धालुओं पर ही ये आरोप लगा रहे हैं कि जब पता है कि हर तरफ़ बद इंतज़ामी फैल गयी है तो श्रद्धालु आ ही क्यों रहे हैं। कोई प्रदेश में हादसे के मारे लोगों को अपने हाल पर छोड़कर दूसरे प्रदेश में समारोह में शामिल हो रहा है। कोई विदेश चला जा रहा है।

### योग्य व्यक्ति को शासन की कमान दे दी जाए

श्री यादव ने कहा कि जैसे राज्यों में सांविधानिक तंत्र फ़ेल हो जाने पर कमान किसी और को दे दी जाती है वैसे ही महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का अंबार देखते हुए किसी योग्य व्यक्ति को शासन की कमान दे दी जाए या सेना को व्यवस्था सौंप दी जाए। अयोग्य लोग झूठ प्रचार कर सकते हैं, सुचारू व्यवस्था नहीं। महाकुंभ में फंसे सभी श्रद्धालुओं के लिए आपातकालीन व्यवस्था की जाए। हर तरफ से जाम में भूखे प्यासे और थके तीर्थयात्रियों के साथ मानवीय दृष्टि का व्यवहार किया जाये।

### आस्था पर सवाल उठाना अखिलेश की संकीर्ण मानसिकता : केशव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाने पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने करार जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की आस्था के महापर्व पर सवाल उठाना सपा अध्यक्ष की संकीर्ण

मानसिकता का द्योतक है। उन्होंने अखिलेश को महाकुंभ को लेकर अनर्गल प्रलाप बंद करने की सलाह देते हुए कहा कि आपकी राजनीति आस्था और व्यवस्थाओं को नीचा दिखाने तक ही सीमित हो गई है। अपने एक्स हैंडल के जरिये अखिलेश पर निशाना साधते हुए केशव प्रसाद ने कहा कि पूरे देश और विदेश से श्रद्धालु अपनी आस्था के चलते खुद प्रयागराज पहुंच कर पवित्र संगम में डुबकी लगा रहे हैं। सरकार और भाजपा कार्यकर्ता पूरे भाव से दिन-रात उनकी सेवा में जुटे हुए हैं। महाकुंभ भारतीय संस्कृति का गौरव है। इसके बावजूद सपा अध्यक्ष अपनी संकीर्ण सोच के तहत व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं।

## दलित परिवारों के साथ भाजपा सरकार में हो रहा अन्याय : तनुज

» पीड़ितों को न्याय न मिला तो होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मिश्रन खंड़ा मजरे डुमटहर गांव में कांग्रेस के सांसद तनुज पुनिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने बीती 8 फरवरी को बुलडोजर से निर्माणाधीन मकान

गिराने के मामले की जानकारी पीड़ित परिवार से लेकर न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

सांसद राहुल गांधी और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के कहने पर कांग्रेस के बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया ने कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी, नगर पालिकाध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, आदर्श पटेल, बीरेंद्र यादव, पंजाबी सिंह, निर्मल शुक्ला, शैलजा सिंह, प्रियंका रावत, नीरज मिश्रा व राघवेंद्र सिंह के साथ गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। सांसद ने कहा कि पीड़ित दलित परिवार के साथ भाजपा सरकार में अन्याय किया है। सांसद राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के साथ डीएम व एसपी को जानकारी देकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। चेतावनी दी कि अगर अधिकारियों ने पीड़ित परिवार के साथ न्याय नहीं किया तो कांग्रेस आंदोलन करेगी।

# जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करे केंद्र सरकार : उमर

» गृहमंत्री अमित शाह से मिले सीएम उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह से सीएम उमर अब्दुल्ला ने संसद भवन में मुलाकात की। शाह से मिलने के बाद सीएम उमर ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की।**

राज्य के विकास और सुरक्षा पर लंबी बातचीत हुई। पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य के समग्र विकास पर हमने अपनी अपनी राय का आदान प्रदान किया। चूंकि तीन मार्च से बजट सत्र शुरू हुआ है, ऐसे में इस विषय पर भी हमारी बातचीत हुई। राज्य में केंद्र की मदद से चल रही विकास परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने और राज्य से दर्जा घटाकर केंद्र शासित प्रदेश करने के बाद से हुए पहले चुनाव से पहले केंद्र ने उपराज्यपाल के अधिकारियों को बढ़ा दिया था। इसके लिए सरकार के कामकाज से संबंधित संचालन नियमों में संशोधन किया गया था। इस बदलाव के बाद पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारती सेवाओं और स्थानांतरण और पोस्टिंग से संबंधित मामलों में शक्तियां एलजी के अधीन आ गई।

### उपराज्यपाल और सरकार के अधिकारों पर नियम तैयार

जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल (एलजी) और सरकार के बीच अधिकारों के बंटवारे और सरकार के कामकाज के नियमों को अंतिम रूप दे दिया गया है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही नियमों को अधिसूचित किया जा सकता है। 3 मार्च से शुरू हो रहे केंद्र शासित प्रदेश के बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों के बीच सत्ता संरचना के साथ ही विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। कामकाज के नियमों को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है। ये नियम जम्मू-कश्मीर में एलजी के मुकाबले मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और प्रशासनिक सचिवों की भूमिका, जिम्मेदारियां और शक्तियां स्पष्ट करेंगे।

## 'आजाद' होने जा रही है गुलाम नबी की पार्टी

» कांग्रेस में शामिल होंगे सभी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**श्रीनगर। गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) से वर्तमान में या पहले जुड़े कई नेता कांग्रेस में शामिल होने के लिए तैयार हैं, और बदलाव के लिए बातचीत अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख नेताओं के पाला बदलने की संभावना है उनमें पूर्व विधानसभा सदस्य गुलज़ार वानी और अमीन भट और पूर्व मंत्री ताज मोहि-उद-दीन और गुलाम मोहम्मद सरूरी शामिल हैं।**

ये चारों नेता पिछले साल विधानसभा चुनाव हार गए थे। जहां वानी और भट ने डीपीएपी टिकट पर चुनाव लड़ा, वहीं ताज मोहि-उद-दीन और सरूरी ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस

प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि जिन नेताओं ने आजाद को छोड़ा है, वे उनके संपर्क में हैं। हमने इस मुद्दे पर आलाकमान के साथ चर्चा की है और बातचीत चल रही है। हम प्रत्येक मामले पर विचार करने के बाद निर्णय लेंगे। दोनों पक्षों के व्यस्त कार्यक्रम के कारण निर्णय में देरी हुई है। डीपीएपी अध्यक्ष आजाद ने कहा कि कुछ नेता जो दावा करते हैं कि वे डीपीएपी छोड़ रहे हैं, वे पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं और चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा के लिए कांग्रेस छोड़ दी है और मैं उस पार्टी में वापस नहीं जा सकता। विधानसभा चुनाव से पहले डीपीएपी के कोषाध्यक्ष ताज मोहिउद्दीन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। 2022 में गठित जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद की पार्टी में शामिल होने से पहले ये चारों प्रमुख कांग्रेस नेता थे। डीपीएपी, जिसने पिछले साल 25 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, अपना खाता नहीं खोल सकी। अधिकांश प्रतियोगी अपनी जमानत राशि नहीं बचा सके। पार्टी तब से काफी हद तक निष्क्रिय है, इसके नेता यहां तक दावा कर रहे हैं कि गुलाम नबी आजाद ने अपनी पार्टी में रुचि खो दी है। पार्टी आलाकमान से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें पार्टी में शामिल किया जाएगा। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि ये सभी पूर्व कांग्रेस नेता हैं जो आजाद के पार्टी बनाने के बाद बदल गए थे। उन्हें एहसास हो गया है कि यह समय की बर्बादी थी।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

## मणिपुर में लग सकता है राष्ट्रपति शासन!

» बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अटकलों का दौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद भाजपा के अगले कदम को लेकर अटकलों का दौर जारी है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि राज्य राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ सकता है।**

हालांकि, यह भी बताया जा रहा है कि कुकी विधायकों सहित हितधारकों के साथ सरकार गठन के विकल्प तलाशने के बाद ही इस पर फैसला हो सकता है। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 12वीं मणिपुर विधानसभा के सातवें सत्र को आहूत करने के पिछले निर्देश को तत्काल प्रभाव से अमान्य घोषित कर दिया है। संवैधानिक आदेश के अनुसार, अगला मणिपुर विधानसभा सत्र 12 फरवरी से पहले आयोजित किया जाना चाहिए और उससे 15 दिन पहले अध्यक्ष को घोषणा करनी होगी। राज्य कैबिनेट की सिफारिश के बाद ही स्पीकर सत्र बुला सकते हैं। अगर सत्र नहीं हुआ तो राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को सदन को निलंबित रखते हुए राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी होगी।

# आप को लेना होगा फिर सबका साथ

## दिल्ली विस में विपक्ष की भूमिका में भाजपा को घेरना होगा

» आंदोलन व सड़क की राजनीति को देनी होगी धार

» कांग्रेस के साथ फिर खड़े हो सकते हैं केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में लगभग 12 साल सत्ता चलाने वाली आम आदमी पार्टी को 2025 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व भाजपा की वजह से हार का मुंह देखना पड़ा। लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के साथ मिलकर इंडिया गठबंधन के सहयोगी के रूप में लड़ने वाली आप ने इस बार के प्रदेश के विस चुनाव में अकेले लड़ने का फैसला करके जहां अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली वहीं भाजपा को दिल्ली के कुर्सी पर बैठने का मौका भी दे दिया। विश्लेषकों के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में के सहयोगी तक कह रहें हैं कांग्रेस के साथ आप को न लड़ना उसके लिए सबसे बड़ा घातक फैसला साबित हुआ।

क्योंकि जो वोटिंग शेयर के आंकड़े आ रहे हैं उसमें कांग्रेस ने जितना हासिस किया है उतना बीजेपी को बढ़त मिली है इसका सीधा सा अर्थ हुआ अगर दोनों मिलकर लड़ते तो नतीजे कुछ और होते। पर अब भी आप को घबराने की जरूरत नहीं है उसे कांग्रेस के साथ मिलकर फिर से अपने मजबूत करना चाहिए क्योंकि जब 26 साल बाद भाजपा वापसी कर सकती है आप व कांग्रेस भी वापस आएंगे क्योंकि जनता को अब भी दोनों पार्टियों पर भरोसा है। बता दें अरविंद केजरीवाल, जो एक समय में देशवासियों की नजर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले अडिग योद्धा थे, समय के साथ उनकी छवि बदल गई। दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में जनता के बीच आशा का एक प्रतीक बने और मुफ्त पानी बिजली का वादा पूरा किया। फिर वो आम से खास बनते चले गए। शायद इसी का लाभ उनके विपक्षी दलों ने उठा लिया और कभी 67 व 62 सीटें लाने वाली आम आदमी पार्टी को 22 सीटों पर लाकर पटक दिया।एक समय की बात है, जब दिल्ली की राजनीति में अरविंद केजरीवाल बहुत खास हुआ करते थे। भ्रष्टाचार के खिलाफ एक योद्धा की छवि गढ़ी थी उन्होंने अपनी। केजरीवाल ने ईमानदारी और आदर्शवाद जैसे भूले-बिसरे शब्दों को राजनीतिक चर्चा में वापस लाया था, साफ-सुथरे शासन के एक वैकल्पिक मॉडल की अपार संभावनाएं पैदा की थीं। 2013 की सर्दियों में रामलीला मैदान में उनका पहला शपथ ग्रहण समारोह जनशक्ति के क्षणिक उत्सव जैसा नहीं लगा था। वह देश में राजनीति के संचालन के तरीके में सकारात्मक बदलाव के आंदोलन की शुरुआत जैसा था।

### एक समय पूरे देश की उम्मीद बने थे केजरीवाल

भारत के कोने-कोने से हजारों बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष आए थे, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे दूर के राज्यों से भी। केजरीवाल ने तब फिल्म पैगाम के गीत इंसान का इंसान से हो भाईचारा गाया था। नई उम्मीद के उत्साह में झूम रही भीड़ को उनका बेसुरा गायन भी ठीक ही लगा था। कुल मिलाकर कहें तो उनके लिए केजरीवाल एक नए, निडर भारत की आशा के प्रतीक थे। बाद के हफ्तों और महीनों में एक व्यक्ति और राजनेता के रूप में केजरीवाल की प्रतिष्ठा बढ़ी। अक्सर बुशर्ट पहने, जेब में एक सस्ता बॉलपेन और पांव में साधारण चप्पल। केजरीवाल सादगी की एक आदर्श तस्वीर बन गए। उन्होंने मुफ्त पानी और बिजली के अपने चुनावी वादे को निभाया। ऐसी योजनाएं जिन्होंने उन्हें शहर के निचले आय वर्ग के लोगों का प्रिय बना दिया।

### राजनीति में आए और छा गए केजरीवाल

2012 में गठित आप जब 2015 में दूसरी बार भारी बहुमत से मोदी-शाह की रथयात्रा को रोकने के लिए सत्ता में लौटी, तो केजरीवाल बीजेपी के विरोध में सभी के हीरो बन गए। और हां, हमेशा रहने वाली खांसी और सिर के चारों ओर आरामदायक मफलर के बावजूद वो एक मुखर मुख्यमंत्री के रूप में सर्दी में दिल्ली की सड़कों पर सोए। उन दिनों पूर्व आईआरएस अधिकारी और रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्तकर्ता ने अपने वादों पर अमल किया।

### वादों के उलट बढ़ने लगे कदम

फिर धीरे-धीरे साधारण जीवन शैली वाले सीएम का पवित्र व्यक्तित्व फीका पड़ता चला गया। शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो इसका असर साफ-साफ देखने को मिला। 2013 में पहली बार 49 दिन का शासन और फिर दो पूर्ण कार्यकाल के बाद आप को करारी और अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के संस्थापक और उम्मीदों की सांस लेने वाली जनता के दिलों की धड़कन केजरीवाल, जिन्होंने कभी तत्कालीन दुर्जेय सीएम शीला दीक्षित को 25 हजार से अधिक मतों से हराया था, अपनी सीट 4,000 से अधिक मतों से हार गए। आप ने अभी भी 43त्न से अधिक वोट हासिल किए, लेकिन यह पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में 9 प्रतिशत कम है।

## केजरीवाल को सड़क पर लड़ाई जारी रखना होगा

**जानकार कहते हैं कि उन्हें लोकतंत्र के लिए एक नई भाषा ढूंढनी होगी, न कि केवल प्रतिनिधित्व और चुनाव, अन्यथा वो कल्याणकारी राज्य की संख्यात्मक विकृति में फंसे रहेंगे। दूसरे शब्दों में, केजरीवाल को अपनी राजनीति को नया रूप देने की जरूरत है। सवाल है कि क्या कभी सड़क पर लड़ाई लड़ने वाले अरविंद केजरीवाल में खुद को फिर से खड़ा करने की हिम्मत और जज्बा बचा है?**

## शराब घोटाला और शीशमहल ने पहुंचा दिया नुकसान

सियासी जानकार मानते हैं कि शराब मामले और घर के रेनोवेशन वाले विवाद के कारण केजरीवाल की छवि बहुत धूमिल हुई। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि भाजपा ने केजरीवाल और उनकी पार्टी को दिल्ली में कोई सार्थक काम करने की राह में खूब अड़ंगे डाले। देसाई कहते हैं, उनके हाथ बंधे हुए थे और पैंतरेबाज़ी की गुंजाइश नाटकीय रूप से कम हो गई थी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की स्थिति किसी ऐसे व्यक्ति के समान थी, जो राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी यात्रा के मूल बिंदु से एक अपरिचित जगह पर पहुंच जाता है।उन्होंने कहा, वो व्यक्तिगत रूप से सांप्रदायिक नहीं हो सकते हैं, लेकिन दक्षिणपंथ को बेअसर करने के लिए उन्होंने इसका एक संस्करण अपनाना शुरू कर दिया ताकि पार्टी उस मोर्चे पर कमजोर न हो। केजरीवाल ने इस बात पर स्पष्टता खो दी कि वह कौन थे और वह किसका प्रतिनिधित्व करते थे, जिससे बीजेपी को परिस्थितियों को अपने लाभ के लिहाज से अधिकतम उपयोग करने में मदद मिली। कुल मिलाकर, इसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां जनता को लगा कि केजरीवाल अब वह व्यक्ति नहीं रहे जो कभी थे।अरविंद केजरीवाल को लोकतंत्र के लिए एक नई भाषा ढूंढनी होगी, न कि केवल प्रतिनिधित्व और चुनाव, अन्यथा वो कल्याणकारी राज्य की संख्यात्मक विकृति में फंसे रहेंगे।आप एक आंदोलन से उभरी लेकिन वर्षों से पार्टी का आंदोलन वाला आयाम खो गया। आंदोलन वाले आयाम के बिना आप ने अपने अस्तित्व का कारण खो दिया और स्थापित दलों का प्रतिद्वंद्वी बन गई। संरचनात्मक रूप से आप कभी भी प्रशासन पर ध्यान देने वाली पार्टी नहीं थी। आप ने इस चुनाव से पहले ही अपनी वैचारिक विशिष्टता खो दी थी। आप से जुड़े कार्यकर्ता और नेता वर्षों से पार्टी की सफलता पर बहुत अधिक भरोसा कर रहे थे। इस हार के बाद उन्हें पार्टी या केजरीवाल के व्यक्तित्व में कोई आकर्षण नहीं दिखेगा।

### गृह राज्य से सटी सीटों पर भी केजरीवाल रहे बेअसर

राजधानी में 13 साल से राजनीतिक दलों को चौंकाने और सभी वर्गों में पैठ जमाने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का अपने गृह राज्य हरियाणा की सीमा से सटी सीटों पर भी जादू नहीं चला। हरियाणा सीमा से सटीं 11 सीटों में से आठ पर भाजपा ने बाजी मारी, जबकि तीन पर आप जीत सकी, जबकि पिछले दो चुनावों में इन सीटों पर आप को बड़ी सफलता मिली थी। हरियाणा सीमा से नरेला, बुराड़ी, बवाना, मुंडका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, महरौली, छतरपुर, तुगलकाबाद व बदरपुर सीटें हैं। इस बार चुनाव में इनमें से नरेला, बवाना, मुंडका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, महरौली व छतरपुर में भाजपा ने जीत हासिल की, जबकि बुराड़ी, तुगलकाबाद व बदरपुर में आप जीती। वर्ष 2015 के चुनाव में इन 11 सीटों पर आप ने भाजपा व कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था। उसने सभी 11 सीटें जीती थीं, जबकि वर्ष 2020 में इन 11 सीटों में से 10 सीटों पर आप ने बाजी मारी थी। बदरपुर में भाजपा ने उसे हरा दिया था, लेकिन इस बार बदरपुर में आप ने भाजपा को हरा दिया। ग्रामीण क्षेत्र की राजनीति पर गहरी नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण मतदाता आम तौर पर प्रभावशाली और प्रसिद्ध उम्मीदवार को वोट देते हैं या फिर उस दल के पक्ष में मत डालते हैं जिसका बड़ा नेता उनके बीच का हो, लेकिन गत 10 वर्ष के दौरान आप ग्रामीण क्षेत्र के किसी नेता को ग्रामीणों के बीच सक्रिय नहीं कर सकी। हालांकि, उसने ग्रामीण क्षेत्र के नजफगढ़ से दो बार विधायक रहे कैलाश गहलोत को मंत्री बनाया, लेकिन वह कभी भी ग्रामीण इलाके में सक्रिय नहीं रहे और चुनाव से पहले आप छोड़कर भाजपा में चले गए। इसके बाद उनके स्थान पर मंत्री बनाए गए नांगलोई के विधायक रघुवेंद्र शौकीन भी कैलाश गहलोत की तरह ग्रामीण इलाके में सक्रिय नहीं दिखे। वे इस चुनाव में हार गए। इसके अलावा ग्रामीणों में भी केजरीवाल व सहयोगियों की सीधी पकड़ नहीं है।

## राजनीति ने ही केजरीवाल को बदल दिया!

**आप के प्रमुख सदस्य रह चुके पत्रकार कहते हैं कि दो चीजों ने केजरीवाल की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया, 2022 का शराब केस और सीएम बंगले का विवाद। उन्होंने कहा,कोई भी उस आदमी से यह उम्मीद नहीं करता था, जो कहता था कि मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को दो कमरों के फ्लैट में रहना चाहिए, वह अपने बंगले पर 40 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करे। केजरीवाल ने इसे बदलने का सपना दिखाकर राजनीति में प्रवेश किया था। इसके बजाय, राजनीति ने उन्हें बदल दिया। करोड़ों रुपये के कथित शराब घोटाले के कारण केजरीवाल को तिहाड़ जेल में पांच महीने बिताने पड़े। मामला अब भी अदालत में है। आशुतोष कहते हैं कि इन घटनाक्रमों के कारण केजरीवाल ने पिछले पांच वर्षों में अपनी नैतिक आभा खो दी। वो कहते हैं, यह पहले तीन विधानसभा चुनावों में उनका कॉलिंग कार्ड था। 2015 और 2020 में आप ने इसी के दम पर भारी जीत दर्ज की थी।**

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# कैसे थमेगी प्रतियोगी छात्रों की आत्महत्या करने की दर

*प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने पर आत्म हत्या करने की खबरें आना अमूमन होता रहता है पर अब तो परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों द्वारा आत्म हत्या करने की खबरें आम हो गई हैं। सबसे ज्यादा इस तरह की खबरें उन शहरों से आती है जहां कोचिंगों की मंडी लगी हुई है। इस वक्त सबसे ज्यादा आत्म हत्या की खबरें राजस्थान के कोटा से आती हैं। यहां औसतन साल भर में 50 से ज्यादा अभ्यर्थियों के मरने की खबरें अखबरों से पटी रहती हैं। कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। सामजिक कार्यकर्ताओं व मनोवैज्ञानिकों पर भी दबाव डाल रहीं है क्यों आजकल छात्र थोड़ी सी असफलता से घबराकर आत्मदाह कर ले रहे हैं। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं।*

*पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है। यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पढ़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। समाज व सरकार दोनों को मिलकर इसपर विचार करना चाहिए कि कैसे बच्चों को आत्महत्या करने से रोका जाए।*

**सबसे ज्यादा इस तरह की खबरें उन शहरों से आती है जहां कोचिंगों की मंडी लगी हुई है। इस वक्त सबसे ज्यादा आत्म हत्या की खबरें राजस्थान के कोटा से आती हैं। यहां औसतन साल भर में 50 से ज्यादा अभ्यर्थियों के मरने की खबरें अखबरों से पटी रहती हैं। कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# अप्रवासी भारतीयों के निर्वासन को लेकर उठे प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

भारत की विदेश नीति के खाते में फरवरी का महीना सबसे नागवार बनता जा रहा है (इन शब्दों के लिए टी.एस. इलियट से क्षमा याचना सहित)। पूर्व में देखें तो, बांग्लादेश के उद्दंड युवा, जिन्हें न तो किसी यादगार से लगाव है और न ही इतिहास याद रखने की इच्छा, ढाका में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को जलाने के दौरान वे एक बॉलीवुड फिल्म के गाने, 'मुन्नी बदनाम हुई' पर नाच रहे थे। दोनों देशों के लोगों के जीवन में एक वक्त जो गौरवशाली अध्याय था, उस पर हथौड़ों की मार का दृश्य विस्मित भारतीयों ने देखा और वे खुद से यह पूछे बिना नहीं रह सके, अब आगे क्या? और बात पश्चिम की करें तो, ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने की तैयारी हो रही है, और कुछ दिन पहले ही 104 भारतीय नागरिकों को बेड़ियों- हथकड़ियों में जकड़ कर वापस स्वदेश भेजा गया है, और 487 अन्य लोग भी उसी राह पर हैं, कई सवाल खड़े हो रहे हैं, परेशानी बनी हुई है कि क्या इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री का अमेरिका जाने का फैसला सही है।

कई लोग कहेंगे, हां बिल्कुल। हमारी विदेश नीति में भारत-अमेरिका संबंध सबसे महत्वपूर्ण बने हुए हैं, इसके बावजूद कि रूस ने कोविड के बाद के वर्षों में तेल की कीमत में कटौती करके काफी राहत पहुंचाई थी। इस तर्क का समर्थन करने वालों का मानना है, प्रधानमंत्री के दौरे के समय व्यापार संबंधी एक मार्गदर्शिका तैयार होने की संभावना है, भारत द्वारा अमेरिकी रक्षा उपकरण अधिक मात्रा में खरीदने की चर्चा जोर पकड़ रही है, साथ ही भारत द्वारा असैन्य परमाणु क्षेत्र (17 वर्षों के बाद) खोलने की संभावित घोषणा भी हो सकती है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर पिछले चार महीनों, सितंबर, दिसंबर और जनवरी, में तीन बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, ताकि मोदी-ट्रंप मुलाकात के परिणाम सार्थक बन सकें। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री उन तीन नेताओं में से एक होंगे, जिनके साथ ट्रंप सत्ता में अपने पहले महीने में मुलाकात करेंगे - इस्राइल के नेतन्याहू, जापान के इशिबा और भारत के मोदी।

दुर्भाग्यवश, मोदी के वाशिंगटन डीसी पहुंचने से बमुश्किल एक सप्ताह पहले, खबरें बहुत उत्साहित करने वाली नहीं रही हैं। सैकिंड हैंड जींस और सस्ते चीनी जूते पहने और पैरों में जंजीरें होने की वजह से अमेरिकी सैन्य विमान की

तरफ घिसटकर बढ़ते युवा भारतीयों की तस्वीरों ने न केवल पंजाब में बल्कि पूरे देश में, हैरानी और विस्मय की तरंगें फैला दीं। बेशक, यह ठीक वही है जो ट्रंप करना चाहते हैं। वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिका में चोर दरवाजे से भारी संख्या में पहुंचने वाले अकुशल लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है -हां, एच-1बी वीजा के जरिये प्रतिभाशाली, कुशल और निपुण लोगों की जमात कुबूल है। अगर भारतीय प्रधानमंत्री एक हफ्ते में आपसे मिलने आ रहे हैं, तो आपको अब यह उम्मीद नहीं पालनी चाहिए कि आपकी यात्रा की पूर्व संध्या पर अच्छी खबर आएगी। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के कुछ हफ्तों में ही विश्व व्यवस्था के नियमों की इबारत को फिर से लिख दिया है। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन इसे 'अमेरिका की ओर से असभ्य व्यवहार' करार देते हैं। वैसे भी सभ्य तरीके और शिष्टाचार 'नए अमेरिका' की विदेश नीति का पहले ही शिकार बन चुके हैं। जिस तरह से ट्रंप मध्य पूर्व - गाजा, फिलिस्तीन, जॉर्डन - में बदलाव करने में लगे हुए हैं, वह अभूतपूर्व है। भारत ने चुप्पी साध रखी है क्योंकि पिछले कुछ समय से जिन अति-यथार्थवादी नीतियों का प्रचार किया जा रहा है, उनका मतलब यह है कि आप तभी शामिल होंगे जब आप सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। जहां तक गत सप्ताह की शुरुआत में, महिलाओं सहित 104 लोगों को बेड़ियों में जकड़कर विमान के जरिये घर वापस भेजे निर्वासितों की बात है, भारत सरकार का संदेश यह है कि जो लोग कानून तोड़ते हैं, वे उसी सजा के काबिल हैं, जो मिली। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें 'एलियन' बताया है, और वे हैं भी। और फिर, जब जयशंकर ने निर्वासित भारतीयों पर संसद में ब्यान दिया, और रिकॉर्ड पर माना कि 'रुख नौकरशाही तौर तरीकों से हिसाब से सही है',तो कोई यह सोचे बगैर नहीं रह सकता कि यदि उनकी पूर्ववर्ती दिवंगत सुषमा स्वराज होतीं तो भारत के लिए बनी वर्तमान विकट परिस्थिति का सामना कैसे करतीं - जब अपने गरीब और अकुशल लोगों को उनके एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण काम करने के लिए उचित रूप से दंडित होते हुए पातीं। सुषमा आंटी ने विदेश मंत्रालय के सख्त दिल नौकरशाहों की नौकरशाही चेतना को इतना तो झिंझोड़ दिया था कि उन्हें दुनिया भर में भारतीय कामगारों के प्रति दयालुता का भाव रखने के लिए मजबूर होना पड़ा।

# सहनशीलता व विवेक से ही टलेगा टकराव

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

उनके शब्दों में जीवन की राह है और तमाम टकरावों को टालने का मंत्र निहित है। और, हम हैं कि जरा-सी बात पर क्रोध में भर कर लड़ाई-झगड़े पर उतर आते हैं। यदि हम महात्मा बुद्ध के वचनों का अंगीकार कर लें तो तमाम लड़ाई-झगड़े खुद ही खत्म हो जाएंगे। आज इस संदर्भ में बड़ी प्यारी बोधकथा आपको दे रहा हूं, जो आपको अवश्य ही रुचिकर भी लगेगी। 'एक बार किसी नगर के बहुत बड़े सेठ अपनी दुकान पर बैठे थे। दोपहर का समय था, इसलिए कोई ग्राहक भी नहीं थे, तो सेठ जी थोड़ा सुस्ताने लगे।

आज जाने क्या हुआ है कि जरा जरा-सी बात पर हमारा समाज उबाल खा जाता है और अशांत हो कर झगड़ों में उलझ जाता है। यह स्थिति किसी भी समाज के लिये चिंता की बात होनी चाहिए। यह विवेकहीनता इन दिनों युवा समाज में तो ज्यादा ही देखी जा रही है। सच यह है कि जितना हम पढ़-लिखकर सभ्य बनते जा रहे हैं, उतने ही असहिष्णु और विवेकहीन भी हो रहे हैं। इस विषय पर गंभीर मंथन की जरूरत है कि क्यों हमारे समाज में यह अधैर्य लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दरअसल, सदियों पहले दी गई मस्त और फक्कड़ कबीर की सीख को जाने क्यों हम सबने भुला दिया है-

**जो तोको कांटा बुए, ताहि बोई तू फूल।**
**तोको फूल के फूल हैं, वाको हैं तिरसूल।**

एक बार की बात है कि भगवान बुद्ध जब प्रवचन कर रहे थे, तब उनके एक विरोधी ने उन्हें गालियां देते हुए अपशब्द कहे। बुद्ध तो शांत रहे, लेकिन उनके शिष्य उस दुश्मन को मारने उठे। बुद्ध ने पूछा कि तुम्हें गुस्सा क्यों आया? तो शिष्य बोले कि यह आपको गाली दे रहा है। इस पर भगवान बुद्ध बोले, 'मैंने तो इसकी गालियां ली ही नहीं, तो वे सब इसी के पास हैं न?' महात्मा बुद्ध के कथन में गहरे निहितार्थ हैं। उनके शब्दों में जीवन की राह है और तमाम टकरावों को टालने का मंत्र निहित है। और, हम हैं कि जरा-सी बात पर क्रोध में भर कर लड़ाई-झगड़े पर उतर आते हैं। यदि हम महात्मा बुद्ध के वचनों का अंगीकार कर लें तो तमाम लड़ाई-झगड़े खुद ही खत्म हो जाएंगे। आज इस संदर्भ में बड़ी प्यारी बोधकथा आपको दे रहा हूं, जो आपको अवश्य ही रुचिकर भी लगेगी।

'एक बार किसी नगर के बहुत बड़े सेठ अपनी दुकान पर बैठे थे। दोपहर का समय था, इसलिए कोई ग्राहक भी नहीं थे, तो सेठ जी थोड़ा सुस्ताने लगे। इतने में ही एक संत भिक्षुक उनसे भिक्षा लेने के लिए दुकान पर आ पहुंचे और सेठ जी को आवाज लगाई—'भिक्षां देहि सेठ जी'।

सेठ जी ने अनमने भाव से देखा कि इस समय कौन आया है? जब उठकर देखा तो पाया कि एक संत याचना कर रहा था। सेठ जी बहुत ही दयालु थे, इसलिए वे तुरंत उठे और दान देने के लिए एक कटोरी चावल बोरी में से निकाले और भिक्षा मांग रहे संत के पास जाकर उन को चावल दे दिया। दान पाकर संत ने सेठ जी को बहुत-बहुत आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। तब सेठजी ने संत से हाथ जोड़कर बड़े ही विनम्र भाव से कहा, 'गुरुजन! आपको मेरा प्रणाम। मैं आपसे अपने मन में उठी एक शंका का समाधान पूछना चाहता हूं।'

**तब संत ने कहा कि सेठ जी! अवश्य पूछो।**

इस पर सेठ जी ने कहा, 'हे साधु महाराज! लोग आपस में लड़ते क्यों है?' संत ने सेठजी के इतना पूछते ही शांत स्वभाव और वाणी में कहा, 'सेठ! मैं तुम्हारे पास भिक्षा लेने के लिए आया हूं। तुम्हारे इस प्रकार के ऊलजलूल और मूर्खतापूर्ण सवालों के उत्तर देने नहीं आया हूं।' संत के मुख से अपने लिए इतना सुनते ही सेठ जी को क्रोध आ गया और वे मन में सोचने लगे कि यह कैसा घमंडी और असभ्य संत है? मुझे मूर्ख कह रहा है? यह संत तो बड़ा ही कृतघ्न है। एक तो मैंने इसको दान दिया और यह पागल मुझे ही इस प्रकार की बात बोल रहा है? इसकी इतनी हिम्मत? और ये सोच कर सेठजी को बहुत ही क्रोध आ गया और सेठ जी बहुत देर तक उस संत को खरी खोटी सुनाते रहे और जब अपने मन की पूरी भड़ास निकाल चुके, तब जाकर कुछ शांत हुए। सेठ जी के शांत होने पर संत ने बड़े ही शांत और स्थिर भाव से कहा, 'देखा सेठ जी! मैंने आप को जैसे ही मूर्ख कहा, वैसे ही आपको बेहद क्रोध आ गया और आप क्रोध से भर कर जोर-जोर से बोलने और चिल्लाने लगे।

सच मानिए सेठ जी! यदि हम किसी व्यक्ति के कहे शब्दों को अपनी प्रतिष्ठा का विषय न बनायें तो हम हर किसी टकराव को टाल सकते हैं। दरअसल, किसी के कहे शब्दों के निहितार्थ पर विचार करने की जरूरत है। हमें यह भी विचार करना चाहिए कि किसी के कहे शब्दों से हमारा वास्तव में क्या अहित हो सकता है। मानव समाज में केवल विवेकहीनता ही सारे झगड़े-फसाद का मूल होता है। यदि सभी लोग विवेकी हो जाएं, तो अपने क्रोध पर सहज ही काबू रख सकेंगे। यदि हम हर परिस्थिति में प्रसन्न रहना सीख जाएं, तो दुनिया में झगड़े ही कभी न होंगे। हमें अपने मन को नियंत्रण करना चाहिए।' इतना कहकर संत ने सेठ जी को आशीर्वाद के साथ जीवन का सच्चा मंत्र भी दे दिया।

**मित्रो! यह बोधकथा आज के समाज के लिए सचमुच संजीवनी ही है।**

**'सहनशक्ति आ जाय तो, क्रोध का होता अन्त।**
**हर प्राणी तब शांत हो, जीए जैसे संत।'**

# नाश्ते में बनाएं स्वादिष्ट सूजी के अप्पे

## सामान

1 कप सूजी, 1 कप दही, 1/2 कप पानी, 1 छोटा प्याज ( ये वैकल्पिक है), 1 गाजर, हरी मिर्च, 1/4 कप धनिया पत्ती, नमक स्वादानुसार, 1/2 राई, 8-10 कड़ी पत्ते, 2 चम्मच तेल (तड़के के लिए), तेल (अप्पे पैन में लगाने के लिए), 1/2 चम्मच बेकिंग सोडा।

महिलाएं चाहे घरेलू हों या फिर कामकाजी, हर किसी के जहन में ये सवाल घूमता ही रहता है कि वो ऐसा क्या अलग खाने और नाश्ते में बनाएं, जिसे उनके परिवार वाले आराम से खा लें। खासतौर पर अब जब मौसम भी ठंडी का चल रहा है, तो ऐसे मौसम में तो कुछ न कुछ चटपटा खाने का मन हर किसी का करता है। वैसे तो बाजार में कई तरह के नाश्ते मिल जाते हैं, पर इन्हें आप हर रोज नहीं खा सकते। ये शरीर के लिए काफी नुकसानदायक होते हैं। ऐसे में आप दक्षिण भारत के इस पकवान को ट्राई कर सकते हैं जो खाने में भी स्वादिष्ट होता है और इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। तो आप नाश्ते में झटपट सूजी के अप्पे तैयार कर सकती हैं।

## विधि

अप्पे बनाने के लिए आपको सबसे पहले इसका बैटर तैयार करना है। इसके लिए एक कटोरे में सूजी लेकर उसमें बराबर मात्रा में दही डालें। अब अगर ये गाढ़ा लगे तो इसमें थोड़ा सा पानी मिलाकर बैटर तैयार करें। अब इसे तकरीबन आधे घंटे के लिए भिगो कर रखें। जब सूजी फूल जाए तो इसमें कटी हुई सभी सब्जियां मिक्स करें। इसके बाद स्वाद के अनुसार नमक डालकर इसे तैयार करें।

अब आपको बैटर का तड़का तैयार करना है। इसके लिए एक छोटे पैन में 2 चम्मच तेल गर्म करें। उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे तो उसमें कड़ी पत्ते डालें। इसे कुछ सेकंड तक भूनने के बाद तड़के को बैटर में मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। अंत में इसमें बेकिंग सोडा डालें और हल्के हाथों से मिलाएं। अब पैन को गर्म करके उसमें ब्रश की मदद से तेल लगाएं। तेल लगाने बाद पैन के हर खांचे में बैटर को चम्मच की मदद से भरें। आखिर में पैन को ढककर मध्यम आंच पर पकाएं। जब ये सुनहरा होकर पक जाए तो इसे निकालकर नारियल की चटनी या अपनी पसंदीदा चटनी के साथ परोसें।

# घर पर अलग तरीके से बनाएं साग

## बच्चे चट कर जाएंगे प्लेट

सर्दियों के मौसम में लोगों की जुबान चटकारे लेने के लिए तैयार रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में बाजार में तमाम सब्जियों के साथ-साथ साग भी मिलने लगता है। ऐसे में देसी खाने के लालच में हर घर में सरसों का साग और मक्के की रोटी तो बनती ही है। लोग इसे सफेद मक्खन, गुड़, मठ्ठा और अचार के साथ काफी चाव से खाना पसंद करते हैं। वैसे तो साग खाना हर किसी को पसंद होता है, लेकिन बच्चे इसके नाम से ही मुंह बनाने लगते हैं। ऐसे में आप घर पर कु छ अलग तरीके से साग बनाएं जिसे बड़े बल्कि बच्चे भी चाव से खाएं। साथ ही में वो इसे दोबारा मांगने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

### अच्छे से साफ करें

कई बार जल्दबाजी में लोग साग को साफ नहीं करते हैं, जिस वजह से मिट्टी के कण उसमें रह जाते हैं और साग का स्वाद बिगड़ जाता है। ऐसे में साग को अच्छे से धोएं ताकि मिट्टी, धूल, और कीटनाशक पूरी तरह से निकल जाएं। इसे पानी में थोड़ी देर भिगोकर रखने के बाद धोना अधिक प्रभावी होता है।

### बहुत बारीक न काटें

ज्यादातर लोगों को लगता है साग को मिक्सी में पीसने या फिर उसे महीन काटने से स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। जबकि ऐसा नहीं है। महीन काटने की वजह से साग के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। ऐसे में साग को सही भागों में ही काटें।

### ज्यादातर देर तक न उबालें

साग को अधिक देर तक न उबालें, क्योंकि इससे इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं। यदि उबालना जरूरी हो, तो इसे थोड़े समय के लिए धीमी आंच पर पकाएं। ध्यान रखें कि इस दौरान गैस हल्की ही होनी चाहिए।

### ज्यादा मसाले न मिलाएं

साग में ज्यादा मसालों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। इसे बनाने के लिए हल्के मसालों का उपयोग करें ताकि साग का प्राकृतिक स्वाद बना रहे। सरसों का तेल या घी साग के स्वाद को और बढ़ाता है।

### ढक्कन लगाकर पकाएं

साग को ढककर पकाने से इसकी गर्मी बनी रहती है, जिससे जल्दी पक जाता है और पोषण भी बना रहता है। यदि आप इसे खुला पकाएंगे तो इसके पोषक तत्व को खत्म होंगे ही, साथ ही में इसे पकने में काफी समय लगेगा।

### पानी कम रखें और साग ज्यादा

साग बनाते समय ज्यादातर लोग इसमें पानी की मात्रा बढ़ा देते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से साग का स्वाद बढ़ जाता है। जबकि ऐसा नहीं है। ज्यादा पानी की वजह से साग का स्वाद काफी ज्यादा बिगड़ सकता है।

## हंसना मना है

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते हैं, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और, मच्छर हैं कि जाते नहीं है।

डॉक्टर : अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज : जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर : जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? पेशंट : पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ : सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड : तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू का इंटरव्यू : बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको 100 प्रतिशत पता होता हैं की उसका हसबैंड कहां हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

## कहानी — कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनाना शुरू किया। एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी। जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए। कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे करके घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नही सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उससे घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

**वृषभ** — अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। कुसंगति से हानि होगी।

**मिथुन** — परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा।

**कर्क** — निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे।

**सिंह** — व्यवसाय ठीक चलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

**कन्या** — संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी।

**तुला** — कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

**वृश्चिक** — स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। अतिथियों का आवागमन रहेगा।

**धनु** — आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

**मकर** — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। धैर्य एवं संयम बना रहेगा। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए।

**कुम्भ** — रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**मीन** — मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

# री-रिलीज के बाद 'सनम तेरी कसम' ने की धमाकेदार कमाई

बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से फिल्में री-रिलीज होने का चलन शुरू हुआ है। इस दौरान कई सारी फिल्में री-रिलीज हुई लेकिन उनमें से कुछ ही फिल्में अपना जादू दोबारा बिखेर पाई। फिल्म लैला मजनू जो साल 2018 में बॉ स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई थी। वो दोबारा रिलीज होने के बाद बहुत बड़ी स सेस बनकर सामने आई। अब साल 2016 में आई फिल्म सनम तेरी कसम भी री-रिलीज हुई है।

करीब 9 सालों के बाद, ए टर हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी ए ट्रेस मावरा होकेन की फिल्म री-रिलीज हुई है। जिसने आते ही अपना जलवा बिखेरना शुरू कर दिया है। उनकी फिल्म जहां पहले लॉप हुई थी, अब माना जा रहा है कि एक बड़ी हिट साबित हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, सनम तेरी कसम ने री-रिलीज के पहले दिन यानि शुक्रवार को 4.25 करोड़ रुपये का कले शन किया था। और अब खबर है कि फिल्म ने दूसरे दिन बहुत अच्छा परफॉर्म किया है।

फिल्म ने शनिवार को करीब 5 करोड़ रुपये की कमाई की है। जिससे री-रिलीज के बाद इसका टोटल कले शन 9.25 करोड़ रुपये हो चुका है। साल 2016 में जब फिल्म को रिलीज किया गया था, तब इसने अपने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का लाइफटाइम कले शन 16 करोड़ रुपये बताया जाता है। और अब महज 2 दिन के अंदर फिल्म ने री-रिलीज के बाद अपने लाइफटाइम कले शन की आधी से ज्यादा कमाई कर डाली है। फिल्म की पॉपुलैरिटी तब बढ़ी जब इसे ओटीटी पर रिलीज किया गया। हर किसी को इसकी दर्द भरी कहानी ने इंप्रेस किया था। और अब जब फिल्में री-रिलीज होने का चलन शुरू हुआ, तब लोगों ने ए टर हर्षवर्धन को सोशल मीडिया पर टैग करना शुरू किया। उन्होंने ए टर से रिक्वेस्ट की कि वो फिल्म को री-रिलीज कराएं। ऑडियंस का भारी-भरकम रिए शन देखकर हर्षवर्धन फिल्म के प्रोड्यूसर के पास पहुंचे। जहां उन्होंने लोगों की अपील को प्रोड्यूसर के सामने रखा और फिल्म को री-रिलीज करने की मांग की। उन्होंने प्रोड्यूसर से रिक्वेस्ट करते हुए कहा था कि फिल्म को री-रिलीज किया जाए, लोग इस बार फिल्म जरूर देखेंगे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें फिल्म के प्रोड्यूसर दीपक मुकुत अपने ऑफिस से बाहर आकर फिल्म री-रिलीज करने की बात करते नजर आते हैं।

## बॉलीवुड | मन की बात

# मैं किसी भी तरह के दबाव से दूर रहती हूं : रुबीना दिलैक

फिल्म इंडस्ट्री हो या टीवी इंडस्ट्री लोग टैग बड़ी जल्दी देते हैं। अभिनेत्री रुबीना दिलैक को बास लेडी का टैग मिला है। इस बारे में रुबीना ने कहा, 'मैं किसी टैग का दबाव नहीं लेती हूं। वैसा भी मेरा व्यक्तित्व ऐसा रहा है, जहां मैं कोई दबाव नहीं लेती। मैं केवल उन उ मीदों का ध्यान रखती हूं, जो स्वयं से हैं। जब यह साल शुरू हुआ तो मैंने यही सोचा कि मैं स्वयं को किसी भी दायरे में नहीं बाधूंगी। मैं चाहती हूं कि मेरे लिए अलग-अलग रास्ते खुलें। मेरी ईमानदारी,निष्ठा हमेशा अपने काम के लिए ही रही है। मेरा काम मुझे जिस दिशा में लेकर जाएगा, मैं खुशी से उस रास्ते पर चल पड़ूंगी।' बता दें कि पिछले साल रुबीना दो प्यारी जुड़वां बेटियों की मां बनी हैं। वहीं जब उनसे ये सवाल किया गया कि या वो इतने बिजी सेड्यूल में बच्चों को समय दे पाती हैं। इस पर वह कहती हैं,' मैं यह नहीं कहूंगी कि जीवन बहुत खूबसूरत और आसान है, योंकि ऐसा नहीं है। खासकर तब, जब मैं सेट पर 18-20 घंटे काम करती हूं। जब घर जाती हूं तो उनके सोने का समय ऐसा बना हुआ है कि वे जाग रही होती हैं। उनके सोने के समय के साथ अपने समय का तालमेल बिठाना पड़ता है। इसके साथ ही अगले दिन पूरी ऊर्जा के साथ सेट पर काम करने के लिए लौटना पड़ता है, जो कठिन होता है, लेकिन कामकाजी मांओं के पास विकल्प भी या है!' इसके अलावा रुबीना को लिखना पढ़ना भी बहुत पसंद है। वो हर दिन को डायरी में दर्ज करती हैं। रुबीना अपने हर दिन को लिखकर रखना पसंद करती हैं। लेखन के प्रति प्रेम को लेकर रुबीना कहती हैं, 'मैं हमेशा से ही लेखन को लेकर जुनूनी रही हूं। मुझे जब भी समय मिलता है तो मैं लिखने बैठ जाती हूं। हालांकि मैं जो भी लिखती हूं, वो मेरे विचार होते हैं। हंसते हुए रुबीना कहती हैं,हो सकता है कई बार पढ़ने लायक भी न हों।'

# औरतों के रोजमर्रा जीवन की परत उधेड़ती कहानी है फिल्म Mrs.

सान्या मल्होत्रा की फिल्म Mrs ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। इस फिल्म में एक ऐसी लड़की की कहानी को दिखाया गया है जिसके सपने और चाहत सिलबट्टे की चटनी से पिस कर रह जाते हैं। आरती कदव के डायरे शन में बनी फिल्म इस वक्त सुर्खियों में बनी हुई है। सान्या मल्होत्रा पिछली कुछ फिल्मों से अपने अभिनय को निखारती चली जा रही है। इस मूवी में भी उन्होंने कमाल का काम किया है। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्होंने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है तो आप कुछ बेहतरीन देखने से खुद को रोक रहे हैं।




इस फिल्म में वो सब दिखाने की कोशिश की गई है जिसे अ सर मेनस्ट्रीम सिनेमा में दरकिनार कर दिया जाता है। ये कहानी उस हर महिला की कहानी है जो अपना सारा जीवन घर की देखभाल और किचन में बिता देती है। आपने कभी ये सोचा है कि जिस टेबल पर बैठकर आप नाश्ता, लंच या डिनर करते हैं, उसे खत्म करने के बाद या होता है? आप तो खाना खाकर उठ जाते हैं मगर उस बर्तन का आगे या होता है और कैसे एक औरत घर को रहने लायक घर बनाती है यही है इस फिल्म का मर्म। चलिए आपको सान्या की फिल्म के उन पहलुओं के बारे में बताते हैं जो इसे मस्ट वॉच बनाती हैं।

सबसे पहले बता दें कि Mrs. एक मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है जो इस वक्त प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म को केवल एंटरटेनमेंट के लिहाज से नहीं बनाया गया है। ये कहानी समाज को एक आईना दिखाने की कोशिश करती है। शादी करके ससुराल पहुंची एक महिला जिसके मन में कई सवाल हैं कई वाहिशें हैं, कैसे उसे उसका ही परिवार के दायरे में सीमित कर के रख देता ये देखकर मन में कई सवाल खड़े होते हैं। एक बात ये भी सच है कि जरूरी नहीं कि हर महिला के साथ ऐसा होता हो, लेकिन जिस समाज का हिस्सा हम हैं वहां ये जरूर आपने भी देखा ही होगा।

फिल्म में दिखाया जाता है कि तमाम महिलाओं के लिए चलाए अभियान और बदलते समाज के बाद आज भी कुछ परिवार ऐसे हैं जो महिलाओं को खाना बनाने और बर्तन धोने जैसे कामों के लिए जरूरी मानते हैं। फिल्म में हम देखते हैं कि सान्या के ससुर के किरदार को उनकी पत्नी सुबह हाथ में पानी और उठने से पहले बिस्तर के पास चप्पल लाकर रखती है।

# यहां वैलेंटाइन डे पर चल रही है किराये पर ब्वायफ्रेंड-गर्लफ्रेंड की सर्विस

एक जमाना था कि हमें हर चीज के लिए दौड़ना पड़ता था। हालांकि आजकल अगर घर में चाय-चीनी खत्म है तो आप ऐप से मंगवाते हैं न? ठीक वैसे ही अगर रिश्ता भी चाहिए तो आप इसे ऐप से मंगा सकते हैं। आपको वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी मिल जाएंग वो भी बिना कमिटमेंट वाले। दिखावट पर चल रही दुनिया में वॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड भी भाड़े पर मिल रहे हैं। एक दिन का प्यार दिखाया, फिर पैसे लेकर अपने-अपने रास्ते निकल गए। सीधा-सीधा बताएं तो ये जुगाड़ कुछ ऐसा है कि आप 'भाड़े का गर्लफ्रेंड- वॉयफ्रेंड' ले सकते हैं। पड़ोसी देश चीन के साथ-साथ जापान और वियतनाम जैसे देशों में भी ये सर्विस मिल रही है। पड़ोसी देश चीन में साल 2018 से ही लोगों को शो ऑफ के लिए गर्लफ्रेंड हायर करने का सिलसिला चल रहा है। उस वक्त 20 मिनट की सर्विस के लिए 10 रुपये चार्ज किए जाते थे और शॉपिंग मॉल में ये सर्विस दी जाती थी। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक स्टैंड पर 10-15 मॉडल होती थीं, जिनमें से एक को 20 मिनट के लिए 10 रुपये में हायर किया जाता था। बस उन्हें छूने या बाहर ले जाने की इज़ाजत नहीं थी। अब जमाना ऑनलाइन हो चुका है, तो गर्लफ्रेंड की सर्विस भी ऐप और इंस्टाग्राम के जरिये मिल रही है। चीन और जापान में आसानी से ऐप के जरिये आप अपने लिए गर्लफ्रेंड किराये पर ले सकते हैं। उनके साथ खाना-पीना, घूमना-फिरना कर सकते हैं और पैकेज के मुताबिक पैसे देकर उन्हें घर छोड़ दीजिए। इसी तरह आपको वॉयफ्रेंड भी मिलता है, आप अपनी जरूरत बताइए और किराये पर बंदा हाजिर हो जाएगा। वैसे आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में भी एक ऐप साल 2024 में मौजूद था, जो भाड़े पर वॉयफ्रेंड दे रहा था। इसके लिए उसने बाकायदा हायरिंग भी निकाल रखी थी, जिसमें अच्छे दिखने वाले लड़कों का सीवी मांगा गया था। वहीं इंस्टाग्राम पर एक लड़की ने अपनी प्रोफाइल डाली थी कि वो रेंट पर गर्लफ्रेंड बनना चाहती है। अपने देश में गर्लफ्रेंड तो नहीं लेकिन वॉयफ्रेंड बुक करने की सर्विस साल 2018 में ही शुरू हो गई थी। 'Rent A Boy|friend' नाम के ऐप से मुंबई में इसकी शुरुआत हुई थी। साल 2022 में टेक सिटी बेंगलुरु में ऐसे एक-दो ऐप और शुरु किए गए और बाद में कुछ बड़े शहरों में ऐसी सर्विस की शुरुआत हुई। हालांकि डेटिंग ऐप आ जाने के बाद 600 रुपये से 6000 रुपये तक मौजूद रेंटल पार्टनर्स की सर्विस में गिरावट हुई और लोग डेटिंग ऐप पर ज्यादा शि ट हो गए।

## अजब-गजब | लास्ट सिटी के नाम से प्रसिद्ध है यह जगह

# 120000 साल से 'आग' उगल रहा है गुमनाम शहर

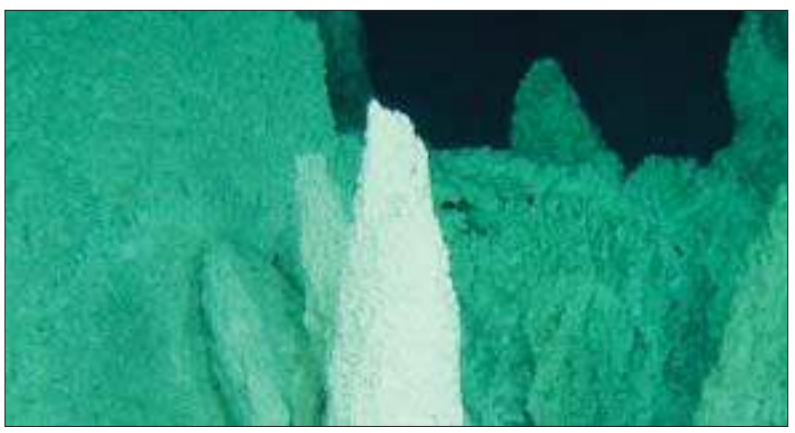

किसी पुराने शहर या जगह की तलाश में इंसान कहां कहां नहीं गया। आज की तारीख में इंसानों ने धरती का तो कोना कोना खंगाल ही लिया, लेकिन अब भी महासागरों के संसार में बहुत से इलाके हैं जो अनजान हैं और रहस्यों से भरे हैं। कुछ तो रोचक जगहें भी हैं जिनके पड़ताल की जा रही है। ऐसा ही एक अनोखा शहर है जो वैसे तो 25 साल पहले खोजा जा चुका है, जिसमें 1.2 लाख साल पहले से आग की तरह बहुत ही गर्म चीजें निकल रही हैं। उसकी पड़ताल जारी है। वैज्ञानिकों ने इस लॉस्ट सिटी के नाम से मशहूर जगह से डेढ़ किलोमीटर लंबा एक हिस्सा निकाला है जो जीवन के रहस्य को उजागर करने में उनकी मदद कर सकता है और इसका कने शन सौरमंडल के बड़े ग्रहों के चंद्रमाओं से भी है।



25 साल पहले वैज्ञानिकों ने अटलांटिक महासागर के बीचों बीच चोटियों के 15 किलोमीटर पश्चिम में एटलांटिस मैसिफ की शीर्ष के पास समुद्री की सतह के 2300फुट नीचे बहुत ही पुराना हाइड्रोथर्मल वेंट सिस्टम खोजा था, जिसके सैकड़ों टावरों से आग की तरह गर्म अल्कलाइन द्रव्य और हाइड्रोजन गैसे निकल रही थी।

उन्होंने इस पूरे इलाके को लॉस्ट सिटी नाम दिया। यहां 1.2 लाख सालों से पृथ्वी के मेंटल की यहां समुद्री पानी से प्रतिक्रिया होती रही जिससे महासागर में हाइड्रोजन और मीथेन गैस के साथ कुछ द्रव्यों का भी रिसाव होता रहा। इनका तापमान करीब 90 डिग्री सेल्सियस तक रहता था। महासागर के इतने गहरे पानी में इतनी गर्मी हैरानी की बात है। कन्वेंशन ऑफ बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी ने इसकी पहचान की जो पारिस्थितिकी और जैविक तौर पर बहुत ही खास समुद्री इलाका था। यह तक सुझाव दिया गया कि इस जगह को विश्व धरोहर स्थल घोषित कर देना चाहिए। पिछले साल यहां 1268 मीटर लंबी एक मेंटल चट्टान खोजी गई जिसके बारे में माना जा रहा है कि जीवनके शुरुआत के सबूत छिपे हो सकते हैं।

लॉस्ट सिटी की चिमनियों में सूक्ष्म जीवन है, 2020 के एक रिसर्च पेपर में बताया गया है कि यहां सर्पेन्टिनाइजेशन और उससे जुड़ी भू-रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनने वाली हाइड्रोजन गैस और जैविक अणुओं यहां के जीवन को ताकत मिलती है। यहां छोटे बिनारीढ़ के जीव, क्रस्टेशियन्स, गैस्ट्रोपॉड घोंघे और अन्य कीड़े देखे गए हैं इसके अलावा एक वजह और है जिससे इस खोये हुए शहर को अहमियत दी जा रही है। 2018 में माइक्रोबायोलॉजिस्ट विलियम ब्रेज़लटन ने बताया कि इस तरह के इकोसिस्टम वैसे ही हैं जैसे की शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस या बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा की बर्फीली सतह के अंदर के महासागरों में हो सकते हैं। ऐसा ही कुछ शायद अतीत में मंगल ग्रह पर भी रहा होगा।

# बीजेपी की जीत मुसलमानों के लिए चिंता की बात : अल्वी

» बोले- भाजपा को हराना है तो कांग्रेस को गठबंधन में शामिल सभी दलों का सम्मान करना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजधानी में मुस्लिम समुदाय के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अल्वी ने कहा कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर दिल्ली चुनाव लड़ा होता तो बीजेपी को जीत नहीं मिलती। कांग्रेस आलाकमान को तय करना है कि हमें अपने सहयोगियों के साथ जाना है या अकेले चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो हुआ वह दिल्ली के मुसलमानों के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली के इस चुनाव ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि बीजेपी हमारी (कांग्रेस) वजह से चुनाव जीती है।

अगर हमें बीजेपी को हराना है तो हमें गठबंधन में शामिल सभी दलों का सम्मान करना होगा और गठबंधन को मजबूत करना होगा और एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा। भाजपा ने शनिवार को 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की। 5 फरवरी को हुए चुनाव में आप ने 22 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने के बाद अगले हफ्ते बीजेपी सत्ता पर दावा पेश कर सकती है। पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में भाजपा का वोट शेयर लगभग 13 प्रतिशत अंक बढ़ा है, जबकि इसी अवधि के दौरान आप का वोट शेयर लगभग 10 प्रतिशत अंक कम हुआ है।

## दिल्ली चुनाव परिणाम से सबक ले कांग्रेस : हरीश

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे चिंताजनक थे और उन्होंने कांग्रेस से पहाड़ी राज्य में 2027 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सबक सीखने का आग्रह किया। फेसबुक पर एक पोस्ट में रावत ने तर्क दिया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन नतीजों की दिशा बदल सकता था, उन्होंने केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को लताड़ा और कहा कि अगर गठबंधन सहयोगियों, विशेष रूप से आप, ने कांग्रेस को बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखा होता, तो दिल्ली में दोनों पार्टियों के बीच एक रणनीतिक गठबंधन बन सकता था। लेकिन केजरीवाल के अहंकार ने इसे संभव नहीं बनाया। हमारी साझेदारी टूट गई और आप का वोट बैंक टूट गया और इसका सीधा असर आप की संख्या पर पड़ा।

# देश के पीएम के तौर पर अधिक जिम्मेदार हों मोदी : गौरव गोगोई

» अलाहबादिया के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इन दिनों यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया द्वारा दिए गए बयान पर चर्चा हो रही है। इसी बीच कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भी इस मामले पर तंज कसा है। गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन लोगों पर अधिक बारीकी से गौर करने का आह्वान किया, जिनका वे सार्वजनिक रूप से समर्थन करते हैं। यह बात कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बीच कही गई। गोगोई ने कहा कि मोदी जिसे चाहें समर्थन दे सकते हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हें 'अधिक जिम्मेदार' होना चाहिए।

गोगोई ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री उन लोगों पर अधिक ध्यान देंगे, जिनका उन्होंने सार्वजनिक रूप से और सोशल मीडिया पर समर्थन किया है। अपने निजी जीवन में, वह जिसे चाहें उसका समर्थन कर सकते हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री से अधिक जिम्मेदार होने की उम्मीद की जानी चाहिए। गोगोई पिछले साल मार्च में नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड 2024 में मोदी से रणवीर अल्लाहबादिया उर्फ 'बीयर बाइसेप्स' को 'डिसरप्टर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिलने का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने अपने पॉडकास्ट पर केंद्रीय मंत्रियों सहित कई प्रमुख हस्तियों की मेजबानी की है। हालांकि, हाल ही में, रणवीर इलाहाबादिया कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में जज के रूप में उपस्थित होने के दौरान एक प्रतियोगी पर अपनी टिप्पणी के कारण बड़े विवाद में फंस गए। रणवीर की टिप्पणी से उनके साथी जज भी हैरान रह गए। रणवीर ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी, लेकिन उनके और अपूर्व मखीजा, समय रैना और शो इंडियाज गॉट लैटेंट के आयोजकों सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

## शिवसेना यूबीटी संसद में उठाएगी मुद्दा

इस विवाद ने राजनीतिक तूफान का रूप ले लिया है और भाजपा तथा विपक्ष दोनों ही इस टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अपनी सीमाएं हैं, वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगी।

### चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत का आखिरी मैच कल

# बल्लेबाजी संयोजन पर अभी भी संशय बरकरार

» केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम को लेकर विवाद

» पंत और अर्शदीप सिंह को अभी तक नहीं मिला मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कप्तान रोहित शर्मा के शतक ने भारतीय टीम प्रबंधन को बड़ी राहत प्रदान की है। बावजूद इसके भारतीय टीम के बल्लेबाजी संयोजन को लेकर उलझनें बरकरार हैं। यह स्थिति तब है जब, चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को परखने के लिए भारतीय टीम के पास इंग्लैंड के खिलाफ 12 फरवरी को होने वाला सिर्फ एक मैच शेष है। केएल राहुल का नंबर छह पर उतरना और ऋषभ पंत का अब तक नहीं आजमाया जाना समीकरणों को उलझा रहा है।

राहुल को दोनों मैचों में अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया है। हालांकि अक्षर ने 52 और नाबाद 41 रन बनाए। वहीं राहुल नंबर छह के क्रम पर न्याय नहीं कर पाए हैं। इसके अलावा विराट कोहली की वनडे में छह माह बाद वापसी अच्छी नहीं रही। वह दूसरे वनडे में सिर्फ पांच रन बना पाए। उन्हें टीम में यशस्वी जायसवाल की जगह शामिल किया गया था। दूसरी ओर गेंदबाजी में भी अर्शदीप सिंह को अब तक नहीं आजमाया गया है। कटक में दूसरे वनडे मुकाबले में कमेंट्री के दौरान रवि शास्त्री भी राहुल जैसे विशेषज्ञ बल्लेबाज को छठे नंबर पर उतारने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा अगर प्रबंधन राहुल से ऊपर अक्षर को भेजने के लिए बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन के फॉर्मूले पर अड़ा है तो पंत जैसे विस्फोटक खिलाड़ी का क्या होगा। भारत अगले मैच और चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के संयोजन के बारे में सोच रहा होगा और ऋषभ पंत बेंच पर बैठे हैं। इसके लिए कुछ सवालों के जवाब देने होंगे।

## चैंपियंस ट्रॉफी की भारतीय टीम में होगा बदलाव!

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी को अंतिम टीम सौंपने की समयसीमा समाप्त हो रही है। टूर्नामेंट में शामिल सभी आठ टीमों को अपनी फाइनल 15 सदस्यीय टीम की सूची आईसीसी को सौंपनी है। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है और खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भारतीय टीम तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर असमंजस में है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पिछले महीने घोषित हुई भारत की 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में बुमराह का नाम शामिल था, लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए। यहां तक की भारतीय टीम के किसी सदस्य के पास भी बुमराह को लेकर कोई जानकारी नहीं है। बुमराह की अनुपस्थिति में उनकी जगह लेने के लिए हर्षित उपयुक्त उम्मीदवार हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने तेज गेंदबाजी में आक्रामकता दिखाई है। इसके अलावा भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या शामिल हैं।

# संसद में गूंजा अलाहाबादिया का विवादित बयान

» महाकुंभ में अव्यवस्था पर सपा का हंगामा

» संसदीय समिति कर सकती है समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान रणवीर अलाहाबादिया के विवादित बयान का मुद्दा उठा। इसके बाद से ही उम्मीद जताई जा रही है कि संसदीय समित उन्हें तलब कर सकती है। दरअसल, यूट्यूबर रणवीर अलाहाबादिया इस वक्त अपने एक विवादित बयान को लेकर लोगों की नाराजगी का सामना कर रहे हैं। वे समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंटमें की गई विवादित टिप्पणी को लेकर घिरे हुए हैं।

मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया था। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने भी वीडियो हटाने की मांग की थी। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि यूट्यूब ने मामले में कार्रवाई करते हुए वीडियो हटा दिया है।

## डिंपल यादव ने महाकुंभ में अव्यवस्था का लगाया आरोप

सपा सांसद डिंपल यादव ने महाकुंभ में अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए कहा कि महाकुंभ के आयोजन पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ऐसे में सरकार को अव्यवस्था पर जवाब देना चाहिए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि 300 किलोमीटर लंबा जाम लग रहा है और लोग वहां फंसे हुए हैं।

## महा विकास अघाड़ी के सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

महा विकास अघाड़ी के सांसदों ने मंगलवार को संसद के मकर द्वार पर हाथों में बैनर पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने महाराष्ट्र के सोयाबीन किसानों के समर्थन में ये विरोध प्रदर्शन किया।

## अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सख्त कानून बनेः सस्मित

इस पर बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, बयान यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संचार और आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य के रूप में मैं इस मामले को समिति में उठाने जा रहा हूं। हम जल्द ही एक बैठक करने जा रहे हैं। मैं चाहता हूं कि इस तरह की अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश और सख्त कानून हों। अक्सर लोग बयानों का इस्तेमाल बहुत ही लापरवाही से करते हैं। यह इसलिए गंभीर है, क्योंकि कई युवा संवेदनशील दिमाग ऐसे यूट्यूबर्स को फॉलो करते हैं।

# अपनी सरकार से नाराज दिखीं पंकजा मुंडे

» भाजपा नेता बोलीं- गोपीनाथ के चाहने वाले साथ आ जाएं तो अलग पार्टी बना सकती हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पंकजा मुंडे ने कहा कि लोगों ने उन्हें एक नेता के रूप में स्वीकार किया है, इसलिए नहीं कि वह गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें वरिष्ठ मुंडे के विचार और विचारधारा विरासत में मिली हैं और उन्होंने उसे जीया है। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा कि गोपीनाथ के अनुयायियों की संख्या इतनी है कि वे अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं।

नासिक आईं पंकजा ने कहा कि आज भी गोपीनाथ साहब का दबदबा ऐसा है कि उनके अनुयायियों को एक साथ लाकर एक राजनीतिक पार्टी बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो लोग गोपीनाथ से प्यार करते हैं, वे उन मूल्यों से प्यार करते हैं जिनका उन्होंने प्रचार किया और जिनके लिए वे खड़े रहे। मुंडे साहब पार्टी के जन्म से ही उसके साथ थे और वह हमेशा इसके प्रति वफादार रहे।

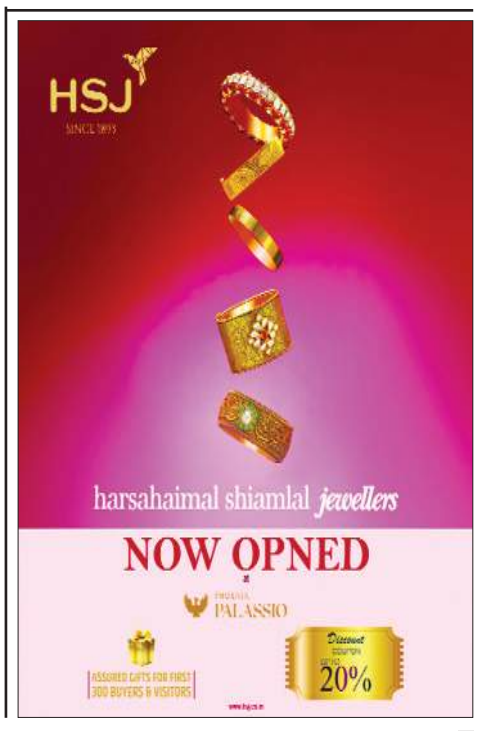

# महाकुंभ : लंबा जाम, प्रशासन नाकाम, लोग हलकान

## आजाद अधिकार सेना ने ट्रैफिक जाम को गिनीज बुक में दर्ज करवाने की अपील की

## अमिताभ ठाकुर बोले- पेरिस में 1980 में 176 किमी. जाम का कुंभ के 450 किमी. के जाम ने तोड़ा रिकॉर्ड

### » लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। महाकुंभ में जाने वालों की संख्या घट नहीं रही है। प्रयागराज की ओर जाने वाली सारी सड़के वाहनों की लंबी कतार से भरी पड़ी है। संगम का स्नान करने वाले श्रद्धालु कई घंटों से जाम में फंसे हुए । भोजन-पानी व नित्यक्रम के कामों से निपटने में लोग परेशान हो रहे हैं। इन परेशानियों को देखते हुए प्रशासन मुस्तैदी दिखाने की बस खानापूर्ति कर रहा है लाखों लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।**

उधर विपक्षी दल, भाजपा व योगी सरकार पर हमलावर हैं। इसबीच आजाद अधिकार सेना व सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ ठाकुर ने कहा है प्रयागराज की ओर जाने वाली सड़कों पर लगे जाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड व लिम्का बुक ऑफ में दर्ज किया जाएं। उन्होंने इन संस्थाओं से अनुरोध किया है वह इन जामों को खुद देखें और 450 किमी के इस ट्रैफिक जाम को अपने बुक में शामिल करें।

### जनहित में काम करे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड : अमिताभ

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि स्वतंत्ररुप से इस जाम को देखा जाए और जनहित में इसे बुक में

अंकित किया जाए। इससे पहले दुनिया में 1980 में सबसे बड़ा जाम पेरिस में लगा था जो 176 किमी का था। यह 16 फरवरी को पेरिस नार्थवार्डस से लियोन पेरिस तक लगा था। उन्होंने कहा सूचनाओं द्वारा ये जानकारी प्राप्त हो रही है वर्तमान में भारत के प्रयागराज महाकुंभ के दौरान ये सबसे बड़ा जाम लग रहा है। जिसमें प्रयागराज मध्यप्रदेश को जाने वाली सड़क पर 300 किमी व अन्य रास्तो पर लगभग 150 किमी का है।

### स्टेशन से संगम तक पहुंचने में लगे पांच घंटे

बसंत विहार निवासी शक्ति कुमार मंगलम ने बताया कि दोस्तों संग वह ट्रेन से प्रयागराज पहुंचे। स्नान के लिए आने जाने में 30 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। रेलवे स्टेशन से महाकुंभ स्थल तक पहुंचने में पांच घंटे लगे। वापसी में तीन घंटे का वक्त लगा। उन्होंने बताया कि रास्ते में कोई साधान नहीं था। बाइकर्स थे, लेकिन दो तीन किलोमीटर की दूरी तय कराने के लिए 300-400 रुपये तक मांग रहे थे।

### श्रद्धालुओं ने बताया आंखों देखा हाल, महाकुंभ के सफर में रेंग रहे वाहन, तीन से चार घंटे का सफर 14-18 घंटे में पूरा हो रहा

**बरेली।** महाकुंभ में संगम स्नान करने जा रहे श्रद्धालु जाम से जूझ रहे हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि अयोध्या से प्रयागराज तक जगह-जगह जाम लग रहा है। तीन से चार घंटे का सफर 14-18 घंटे में पूरा हो रहा है। वाहनों की लंबी कतार की वजह से समस्या बढ़ गई है। बरेली के एक परिवार को अयोध्या से प्रयागराज तक 165 किलोमीटर की दूरी तय करने में 18 घंटे लग गए। प्रयागराज पहुंचने के बाद भी संगम स्नान में वक्त लग रहा है। श्रद्धालुओं के जत्थे में शामिल लोगों ने बताया कि रेलवे स्टेशन से संगम तट तक पहुंचने में पांच घंटे से ज्यादा लग रहे हैं, लेकिन पुण्य कमाने की लालसा में दर्द भूलकर पैदल चल रहे हैं।

### डायवर्जन की वजह से जगह-जगह लग रहा है जाम

शास्त्री नगर में रहने वाले शैलेश सक्सेना परिवार के साथ रविवार की शाम प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे। वह परिवार के साथ रात को लखनऊ में रुके और सोमवार सुबह पांच बजे प्रयागराज के लिए रवाना हुए। आठ घंटे में वह प्रयागराज पहुंच पाए। वापसी में छह घंटे लगे। अगर जाम नहीं होता तो लखनऊ से प्रयागराज की 195 किलोमीटर की दूरी पांच घंटे में पूरी हो सकती थी। शैलेश सक्सेना ने बताया कि प्रयागराज शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ है, जगह-जगह डायवर्जन के कारण जाम लगा है। शहर से निकलने में ही ढाई से तीन घंटे का वक्त लग गया।

### जाम में फंसे श्रद्धालुओं की मदद और प्रशासन का सहयोग करें कांग्रेस कार्यकर्ता : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे महाकुंभ में स्नान करने जा रहे और वापस लौट रहे श्रद्धालुओं की मदद करें। उन्होंने कहा कि अत्यधिक भीड़ के कारण जाम में फंसे नागरिकों को खाने-पीने और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि श्रद्धालुओं को राहत प्रदान कर सहयोग करें। पटवारी ने एक बयान जारी कर महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालुओं की मदद करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के विभिन्न मार्गों से श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ मेले जा रहे हैं और वापसी कर रहे हैं। खासकर विंध्य क्षेत्र, चित्रकूट और कटनी से जबलपुर होते हुए श्रद्धालुओं का सैलाब महाकुंभ की ओर बढ़ रहा है, जिससे 50-50 किलोमीटर तक जाम की स्थिति बन गई है। इस दौरान नागरिकों को खाने-पीने सहित अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पटवारी ने कहा कि प्रशासन द्वारा भी बार-बार श्रद्धालुओं से यह अनुरोध किया जा रहा है कि जाम के चलते वे अभी महाकुंभ में स्नान करने ना जाएं। ऐसी स्थिति में, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का यह दायित्व बनता है कि वे श्रद्धालुओं की मदद करें, उन्हें जाम से निकालने में प्रशासन का सहयोग करें और हर संभव तरीके से उनकी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कांग्रेसजनों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी पूरी कोशिश करें ताकि श्रद्धालुओं को राहत मिल सके और उनके यात्रा अनुभव को सुगम बनाया जा सके।

# बहराइच में कार को डंपर ने मारी टक्कर, पांच की मौत

## दवा लेने लखनऊ जा रहा था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**बहराइच। बहराइच- लखनऊ हाइवे पर कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में करीम बेहड स्थित गुप्ता ढाबा के पास मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार डंपर ने कार में टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में दवा लेने जा रहे एक ही परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।**

वहीं हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मटेरा थाना क्षेत्र के मटेरा चौराहा निवासी अबरार (28) सेना में जवान थे। मंगलवार को वो पिता गुलाम हजरत (65) की दवा लेने कार से लखनऊ जा रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी रुकैया (25), मां फातिमा (55) और एक माह की बेटी हानिया भी मौजूद थी। इस दौरान बहराइच लखनऊ राजमार्ग पर करीम बेहड के निकट गुप्ता ढाबा के पास कैसरगंज की

ओर से आ रहे एक डम्पर उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में कार सवार गुलाम हजरत, फातिमा, अबरार, चांद, व हानिया की मौत हो गई। रूकैय्या गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा है। कोतवाल हरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि इस घटना मे पांच लोगो की मौत हो गयी है। एक महिला गम्भीर रूप से घायल है उसे सीएचसी मे भर्ती कराया गया है। डंपर चालक गाडी छोड़कर फरार हो गया है।

# कांग्रेस हमारे नहीं अपने विधायक गिने : मान

### » आप की बैठक आयोजित संयोजक अरविंद केजरीवाल ने की चर्चा

### » कांग्रेस व भाजपा के दावे को आप ने किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। कांग्रेस व भाजपा के दावों के बीच पंजाब के विधायकों व आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच बैठक खत्म हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों की दिल्ली के कपूरथला हाउस में बैठक हुई। इस बैठक में सीएम भगवंत मान भी मौजूद रहे।**

भगवंत मान ने कांग्रेस के दावे पर कहा कि प्रताप सिंह बाजवा पौने तीन साल से यही कह रहे हैं, उन्हें कहने दें, हमारे विधायकों की गिनती नहीं करो, पहले अपने विधायक दिल्ली में गिन लो। वो कहते रहते हैं, पहले भी कहते रहे हैं कि 40 हमारे साथ आ रहे हैं, 20 साथ आ रहे हैं। उन्हें ये कहने दो बता दें कि कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया है कि आप के 25 से 30 विधायक उनके संपर्क में हैं। बता दें राज्य के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया है कि पार्टी के 25 से 30 विधायक उनके संपर्क में हैं।

### सारे विधायक एक दूसरे के संपर्क में होते हैं : पंजाब विस के स्पीकर

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह ने कांग्रेस के दावों के बीच कहा है कि सारे विधायक एक दूसरे के संपर्क में होते हैं। पंजाब में कोई दिक्कत नहीं है, सरकार अच्छी चल रही है. पंजाब विधानसभा में कुल 117 विधायक हैं, इनमें से आप के 93 और कांग्रेस के 16 विधायक हैं। अन्य 7 विधायक हैं। एक सीट खाली है,. यहां सरकार बनाने के लिए 59 विधायकों की जरूरत होती है।

### कामकाज के लिए बैठकें बहुत सामान्य हैं : कंग

आप सांसद मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि पार्टी के कामकाज के लिए बैठकें बहुत सामान्य हैं। पार्टी के कामकाज को बेहतर बनाने और मौजूदा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए बैठक सामान्य है, अरविंद केजरीवाल ने हमेशा पार्टी का मार्गदर्शन किया है. आप पंजाब में भगवंत मान और देश में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

### दिल्ली हारी है आप बैठक पंजाब की कर रही है : कांग्रेस सांसद गुरजीत

आप की बैठक पर कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा कि यह उनकी पार्टी है, उन्हें मीटिंग करनी चाहिए, लेकिन अगर वे दिल्ली में हार के तुरंत बाद मीटिंग कर रहे हैं तो इसका मतलब अलग है, वे दिल्ली हार चुके हैं, इसलिए उन्हें दिल्ली के नेताओं को बुलाकर मंथन करना चाहिए, लेकिन पंजाब के विधायकों को बुलाया गया है. उनके दोनों मॉडल, पंजाब और दिल्ली, फेल हो गए हैं. पंजाब के लोग उनसे तंग आ चुके हैं, वे चाहे जितनी मीटिंग कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 Email: daily4pm@gmail.com website: www.4pm.co.in RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।